CSM – 42/16

Indian Language & Literature in Hindi

Paper – I

Time : 3 hours

Full Marks : 300

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Candidates should attempt Q. No. 1 from Section – A and Q. No. 5 from Section – B which are compulsory and any **three** of the remaining questions, selecting at least **one** from each Section.*

SECTION – A

1. किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : 20×3 = 60

   (क) आरम्भिक हिन्दी

   (ख) अवधी भाषा का विकास

   (ग) संत साहित्य में खड़ी बोली का रूप

   (घ) नागरी लिपि की विशेषताएँ

2. विज्ञान एवं तकनीकी भाषा के रूप में हिन्दी के विकास पर प्रकाश डालिए । 60

3. संचार भाषा के रूप में हिन्दी के विकास की समीक्षा कीजिए । 60

4. हिन्दी की प्रमुख बोलियों और उनके बीच के अंत:संबंध को समझाइए । 60

SECTION – B

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : 20×3 = 60

(क) हिन्दी में साहित्येतिहास लेखन की परम्परा का परिचय दीजिए ।

(ख) आदिकालीन प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए ।

(ग) हिन्दी कृष्ण भक्ति काव्य धारा में सूरदास के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रीतिमुक्त काव्य धारा का विवेचन कीजिए ।

6. "आधुनिक हिन्दी कविता में छायावादी कविता श्रेष्ठ कविता मानी जाती है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । 60

7. हिन्दी उपन्यास साहित्य के विकास में प्रेमचन्द के योगदान को स्पष्ट कीजिए । 60

8. हिन्दी नाटक साहित्य के विकास में रामकुमार वर्मा के योगदान को स्पष्ट कीजिए । 60

अथवा

हिन्दी में प्रचलित विविध आलोचना सिद्धान्तों के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए । 60